National Sanskrit University, Tirupati
Department of Hindi

The Board of Studies of Department of Hindi will be held on 6/5/2022 at 10.30 a.m through online mode.

AGENDA

1. To design New Courses to suit the structure of different Programmes in **the light of NEP, 2020 and ABC** being adopted at undergraduate level in NSU
2. To frame the syllabi for Language Courses [Semester I to Semester IV] for different Programmes like Sastri Sammanitha, BA Honours & B.Sc. Yoga and B.Sc. Computers keeping in view the requirements of the students joining these programmes.
3. To design syllabi for Hindi Literature courses [Semester I to Semester IV] under interdisciplinary Category as well as Hindi Literature Courses under Open Elective Category [Semester V and Semester VI]
4. To design syllabi for Hindi Literature Courses [Semester VI and VII] under Discipline Specific Electives
5. To frame new syllabus for courses being offered in Semester I, III, V and VI under Skill Enhancement Courses
6. Any other item.

NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY,TIRUPATI

DEPARTMENT OF HINDI

The Board of studies of Department of Hindi was held on 6/5/2022 from 10:30 a.m. through online mode.

The following members were present:

S.NO	NAME	MEMBERS	SIGNATURE
1.	Dr.T.Latha Mangesh	Chairman	
2.	Dr.Ved Prakash Borkar	Internal Member	
3.	Dr.Narayan	External Member	
4.	Prof.Karan Singh Utwal	External Member	

National Sanskrit University, Tirupati
Department of Hindi
RESOLUTIONS of BOS meeting 2022-23 as per NEP-2020 &ABC

The Board of Studies of Department of Hindi was held on 6/5/2022 from 10.30 a.m. through online mode.

The following are the resolutions of the Board:

1. **It has been resolved to design new courses which would fit into the framework of Programmes designed according to the NEP, 2020 & ABC**
2. **Keeping in view the requirements of the students belonging to different streams of education, it has been resolved to design new syllabi for**
    - **Sastri Sammanitha Programme**
    - **BA Honours and B.Sc Yoga Programmes**
    - **B. Sc Computers Programme**
3. **Under Hindi Literature option of Interdisciplinary Elective Courses in Sastri/ BA Honours/ B.Sc Yoga Programmes, it has been resolved to introduce the genre novel for the first two semesters and genre – drama for third and fourth semesters**
4. **For Open Elective Category of Sastri Sammanitha/ BA Honours/ B. Sc Yoga/ B. Sc. Computers programme, it has been resolved to introduce Hindi Literature[OE] as one of the options**
5. **For Discipline Specific Elective in Semester VII and VIII, it has been resolved to introduce Hindi Literature [DSE] as one of the optional.**
6. **Under Skill Enhancement Courses category in Sastri Sammanitha/ BA Honor's / B.Sc Yoga/ B.Sc Computers Programmers, it has been resolved to introduce 4 courses - Speaking and Reading Skills -1, Speaking and Reading Skills – 2, Writing Skills –Writing Skills – 2 .**
7. **Under Inter Disciplinary of Acharya programme, it has been resolved to introduce new syllabus for all the four semesters.**
8. **The board felt that the credits accorded to various courses in Hindi are not adequate for Sanskrit students to face the competitive world. Therefore, it is strongly recommended that the credits designated to the above said courses have to be increased.**

9. **After a detailed discussion, the external members of the BOS felt that an undergraduate programmer with Hindi as a major subject [BA Honor's [Hindi] and Doctor of Philosophy in Hindi (PhD) is to be introduced in the university.**

Prof.Ka **Utwal** **Dr. Narayan**

Dr. Ved Prakash Borkar **Dr. T.Latha Mangesh**

ACHARYA FIRST SEMESTER

Inter disciplinary Course, Hindi Language, Paper – 1

हिंदी भाषा एवं संप्रेषण

Credits – 3

उद्देश्य –

1. भाषा की प्रकृति एवं विविध रूपों को अवगत कराना।
2. वाक्य के रूपांतर से अवगत कराना।

सीखने के प्रतिफल –

1. विविध प्रकार के पत्र लेखन कर सकेंगे।
2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई **- 1**

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप।
2. हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन
3. स्वर के प्रकार, व्यंजन के प्रकार
4. वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य,मूर्धन्य, दंत्य, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य।

इकाई **- 2**

1. हिंदी भाषा एवं शब्द भंडार - तत्सम, तदभव, देशज, विदेशज, कृत्रिम।
2. पर्यायवायी, भमानार्थक, विलोम, गूढार्थवाची, समश्रुत अनेक शब्दों के लिए शब्द युग्म।
3. हिंद भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी।

इकाई **– 3**

1. भाषा सम्प्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति वाचन तथा लेखन।
2. हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य।
3. वाक्य के भेद, वाक्य के रूपांतर।
4. आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।
5. देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य।
6. देवनागरी की वैज्ञानिकता

संदर्भ ग्रंथ –

1. भोलानाथ तिवारी – भाषाविज्ञान, किताब महल, इलहाबाद

2. बाबूराम सक्सेना – सामान्यभाषा विज्ञान , हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलहाबाद

ACHARYA FIRST SEMESTER

Inter disciplinary Course, Hindi Language, Paper - 1

हिन्दी अनुप्रयोग **:** तकनीकी संसाधन

Credits – 3

उद्देश्य -

1. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप और उद्देश्य को अवगत कराना।
2. कार्यालयी हिंदी क्षेत्र से परिचित कराना।

सीखने का प्रतिफल -

1. कार्यालयी हिंदी की शब्दावली से अवगत होंगे।
2. टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण कर सकेंगे।

इकाई **–**

1. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र
2. सामान्य हिंदी तथ कार्यालयी हिंदी – संबंध तथा अंतर
3. कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएँ
4. कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
5. पदनाम एवं अनुभाग के नाम

6. मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियोंं केलिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश आदि
7. औपचारिक पदावलियाँ अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

इकाई **-2** कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

1. सामान्य परिचय
2. कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
3. रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
4. आवेदन – लेखन

इकाई **- 3** टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

1. टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ एवं भाषा शैली
2. प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
3. संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
4. उपर्युक्त सभी इकाईयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय

ACHARYA FIRST SEMESTER

Inter disciplinary Course, Hindi Language, Paper - 1

अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग

Credits – 3

उद्देश्य

1. अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. अनुवाद प्रक्रिया और भूमिका पर सम्यक प्रकाश डालना।

सीखने के प्रतिफल -

1. विद्यार्थि अनुवाद प्रविधि द्वारा रोजगारोन्मुख अभ्यास से प्रेरित होंगे ।

इकाई - 1

1. अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की परिभाषा और प्रकार।
3. अनुवाद के विविध क्षेत्र।

इकाई - 2

1. अनुवाद की प्रक्रिया एवं उसके विविध स्तर।
2. अनुवादक के गुण एवं दायित्व।
3. अनुवाद के उपकरण, पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया
4. अनुवाद की समस्याएँ एवं सीमाएं

इकाई - 3

1. मशीनी अनुवाद - स्वरूप एवं विकास।
2. मशीनी अनुवाद के घटक ।
3. मशीनी अनुवाद का भाषाई और तकनीकी पक्ष।

सहायक ग्रंथ -

1. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भाषा प्रौद्योगिकी और ई-अनुवाद - डॉ वेदप्रकाश बोरकर, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति

ACHARYA FIRST SEMESTER

Inter disciplinary Course, Hindi Language, Paper – 4

हिंदी में विज्ञान संचार

Credits – 3

उद्देश्य –

1. विज्ञान संचार का अर्थ एवं स्वरूप से अवगत कराना।
2. हिंदी विज्ञान लेखन का परिचित कराना।

सीखने के प्रतिफल –

1. हिंदी में वैज्ञानिक समीक्षाएँ कर सकेंगे।
2. वैज्ञानिक साहित्य का हिंदी अनुवाद कर सकेंगे।

इकाई – **1** हिंदी में विज्ञान संचार **:** आशय और स्वरूप

1. संचार की अवधारण एवं स्वरूप
2. विज्ञान संचार का अर्थ एवं स्वरूप
3. हिंदी में विज्ञान संचार
4. हिंदी में विज्ञान लेखन तथा वैज्ञानिक चेतना
5. हिंदी में विज्ञान शिक्षा हेतु ई-लगिंग पोर्टल का विकास

इकाई – **2** हिंदी विज्ञान लेखन **:** शिल्प और प्रविधि

1. हिंदी विज्ञान रिपोर्टिंग और विज्ञान लेखन
2. विज्ञान संपादन, पुनर्लेखन, अद्यतन और अंतिम पांडुलिपि
3. वैज्ञानिक चित्र, छायांकन और कला
4. वैज्ञानिक साहित्य का हिंदी अनुवाद

इकाई – **3** हिन्दी विज्ञान लेखन **:** विभिन्न विधाएं

1. विज्ञान समाचार, रिपोर्ताज और लेख
2. विज्ञान कथाएं, उपन्यास और कविताएं
3. विज्ञान नाटक और रूपक
4. विज्ञान चित्र कथाएं, व्यंग्य चित्र और हास्य व्यंग्य हिंदी में वैज्ञानिक समीक्षाएं
5. वैज्ञानिक साक्षात्कार तथा परिचर्चा

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी में विज्ञान संचार – डॉ. वेदप्रकाश बोरकर, प्रकाशक – राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति

2. हिंदी में विज्ञान लेखन – उद्भव एवं विकास, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र आधुनिक प्रकाशन गृह

Sastri / B.A/B.sc Yoga

First semester, Communicative Hindi, Paper-1

व्यावहारिक हिंदी **एवं** लेखन

पाठ्य उद्देश्य **Credits 2[Theory 1, practical 1, 3hrs per week]**

1. उच्चरित एवं लिखित भाषा के प्रकार्यों एवं इनके सामाजिक महत्व को समझाना।
2. लिखित भाषा में बोलचाल के तत्वों को प्रस्तुत करने की विधि से अवगत करना।

सीखने के प्रतिफल -

1. भाषा पल्लवन की प्रक्रिया समझ सकेंगे।
2. निबंध लेखन की प्रक्रिया का परिचय प्राप्त कर सकेंगे एवं निर्देशित विषय पर निबंध लिख सकेंगे।

इकाई **1**	उच्चरित एवं लिखित भाषा संप्रेषण के तत्व
	उच्चरित एवं लिखित भाषा की प्रकृति उच्चरित एवं लिखित भाषा के भेद उच्चरित एवं लिखित भाषा की विशेषताएँ उच्चरित भाषा के प्रकार्य, लिखित भाषा के प्रकार्य बोलचाल की भाषा का लिप्यांकन
इकाई **2**	संवाद कला के विभिन्न पक्ष
	संवाद स्वरूप एवं प्रकार संवाद की संरचना संवाद की औपचारिकताएँ संवाद प्रक्रिया संवाद की भाषा – शैली, विराम चिह्न।
इकाई **-3**	संक्षेपण, भाव पल्लवन एवं निबंध लेखन
	हिंदी ब्लॉग लेखन, इंटरनेट पर सामग्री सृजन, इनकोडिंग फाइल शेयरिंग, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग हिंदी विकीपीडिया लेखन और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन हिंदी लेखन एवं वेब प्रकाशन के आवश्यक उपकरण

संदर्भ ग्रंथ

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, 1980, हिंदी भाषा संरचना और प्रयोग, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
2. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, 1994, हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रसाद, डॉ. वासुदेवनंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, पटना।
4. गुप्त, गणेशप्रसाद, संक्षेपीकरण गुप्ता प्रकाशन, करोलबाग, नई दिल्ली – 5

Sastri / B.A/B.Sc Yoga

Third semester Communicative Hindi, Paper-2

हिन्दी भाषा विविध प्रयोग

पाठ्य उद्देश्य **Credits 2[Theory 1, practical 1, 3hrs per week]**

1. भाषा की विभिन्न प्रयुक्तियों में विद्यमान अंतर्संबंध को उद्घाटित करना।
2. हिंदी भाषा के सभी पक्षों का भाषावैज्ञानिक दृष्टि से अनुशीलन कराना।

सीखने के प्रतिफल -

1. मानक हिंदी वर्तनी के नियमों को अपना सकेंगे एवं वर्तनी संबंधी दोषों को दूर कर सकेंगे।
2. अध्ययनार्थी हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप कौन से है एवं वे हिंदी की अन्य प्रयुक्तियों से किस प्रकार भिन्न है बता सकेंगे।

इकाई **1**	भाषा तत्व एवं बोधन
	हिंदी की लिपी एवं वर्तनी का परिचय भाषा एवं लिपि लिपि से लाभ एवं लेखन की विधि देवनागरी लिपि वर्तनी के कुछ नियम
इकाई **2**	हिंदी की ध्वनियों
	ध्वनियों एवं शब्द ध्वनियों एवं उच्चारण की विशेषताएँ लहजा या अनुतान ध्वनि एवं लेखन के विविध संबंध उच्चारण भिन्नता के कारण वर्तनी की समस्याएँ उच्चारण में अंतर, लिपि में अंतर
इकाई **-3**	संस्कृति एवं समाज विज्ञान विषय का बोधन
	भारत के त्योहार शब्दकोश का उपयोग परिवार – संयुक्त एवं एकल निबंध रचना व्याकरणिक विवेचन

संदर्भ ग्रंथ

1. देवनागरी लिपी तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, 2006, नई दिल्ली

2. डॉ. भोलानाथ तिवारी हिंदी की ध्वनि संरचना, साहित्य सहकार, ई – 10 4, कृष्णानगर, दिल्ली

3. कालिका प्रसाद, मुकंदीलाल श्रीवास्तव, राजवल्लभ समाय, बृहत हिंदी कोश, प्रकाशक, ज्ञानमंडल, वाराणसी

Sastri / B.A/B.sc Yoga

Fifth semester Communicative Hindi, Paper-1

हिंदी अनुप्रयोग एवं प्रौद्योगिकी

पाठ्य उद्देश्य **Credits 2[Theory 1, practical 1, 3hrs per week]**

1. विद्यार्थी को शब्दसंसाधन से परिचित कराना एवं भारतीय भाषाओं तथा लिपियों की मूलभूत विशेषताओं से अवगत कराना।
2. ई – पोर्टल सेवाओं से परिचित कराना।

सीखने के प्रतिफल -

1. हिंदी विकिपीडिया के हिंदी संस्करण से परिचित होंगे साथ ही हिंदी विकिपीडिया की शैली तथा उस पर सम्पादन के कार्य को समझ सकेंगे।
2. कंप्यूटर द्वारा हिंदी लेखन का वैशिष्ट्य जान सकेंगे।

इकाई **1**	कंप्यूटर एवं हिंदी
	कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास। कंप्यूटर एवं हिंदी चुनौतियों एवं संभावनाएँ। कंप्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग।
इकाई **2**	हिंदी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेअर।
	हिंदी के विभिन्न कुंजीपटल के संदर्भ में एम.एस. ऑफिस का अध्ययन। हिंदी में एक्सल शीट। हिंदी वेब डिजाइनिंग। हिंदी वेबसाइटस। हिंदी ई – पोर्टल और हिंदी ई पत्र-पत्रिकाएँ विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण।
इकाई **-3**	कंप्यूटर पर हिंदी लेखन एवं प्रकाशन।
	हिंदी ब्लॉग लेखन। इंटरनेट पर सामग्री सृजन, इनकोडिंग। फाइल शेयरिंग, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग। हिंदी विकीपीडिया लेखन और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन। हिंदी लेखन एवं वेब प्रकाशन के आवश्यक उपकरण।

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी, हरिमोहन
2. एम. एसस.ऑफिस, प्रकाश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
3. इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, ब्रूस स्टलिंग दीवान ए – सराय, वाणी प्रकाशन,दिल्ली
4. सूचना प्रौद्योगिकी हिंदी और अनुवाद, सम्पादक पूरनचंद टंडन

Sastri / B.A/B.sc Yoga

Sixth semester Communicative Hindi, Paper-2

नव जनमाध्यम एवं हिंदी पत्रकारिता

पाठ्य उद्देश्य **Credits 2[Theory 1, practical 1, 3hrs per week]**

1. विद्यार्थी नवजागरण की चेतना के संदर्भ को लेकर अस्मिता बोध, राष्ट्रीय चेतना तथा प्राचीन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना को समझ सकेंगे।
2. सम्पादन कला, सिद्धंत एवं कौशल की बारीकियों की जानकारी देना।

सीखने के प्रतिफल -

1. सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में समाचार चैनलों का हिंदी के विकास में योगदान समझ सकेंगे।
2. नव जनमाध्यम एवं हिंदी पत्रिकारिता की विभिन्न चुनौतियों को समझ सकेंगे।

इकाई **1**	हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार

	भारतीय नवजागरण एवं हिंदी पत्रकारिता हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग, सम्पादन हिंदी पत्रकारिता की भाषा का क्रमिक विकास पत्रकारिता केंद्रित साहित्य हिंदी एवं अंचलिक पत्रकारिता
इकाई **2**	मीडिया एवं हिंदी पत्रकारिता
	रेडियो एवं हिंदी पत्रकारिता टेलिविजन एवं हिंदी पत्रकारिता सिनेमा एवं हिंदी पत्रकारिता
इकाई **-3**	नव – जनमाध्यम एवं हिंदी पत्रकारिता
	ऑनलाइन पत्रकारिता हिंदी ब्लॉग हिंदी ई - पत्रिकाएँ हिंदी – पोर्टल हिंदी वेबसाइट् तथा हिंदी विकिपीडिया के संदर्भ में

संदर्भ ग्रंथ

1. पत्रकारिता के नये आयाम, एस,. के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
2. हिंदी पत्रकारिता कल और आज, डॉ. वेदप्रकाश, बोरकर अनुराधा प्रकाशन दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास, रचना भोला, यामिनी, प्रकाशन, दिनमान प्रकाशन दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, ठाकुरदत्त शर्मा आलोक वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता का नया स्वरूप, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम, सम्पादक – वेदप्रताप वैदिक, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Sastri / B.A / B.Sc Yoga
First Semester Hindi, 2nd language, Paper – 1
कथासाहित्य और व्याकरण
Credits – 3 (75+25 = 100 MARKS)

उद्देश्य -

1. विद्यार्थियों को कथा साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों से परिचित कराना।
2. व्याकरण के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध कराना।
3. विद्यार्थियों में लेखन के दौरान होनेवाली अशुद्धियों को दूर कराना।

सीखने **के** प्रतिफल –

1. विध्यार्थी कथा साहित्य के विभिन्न पात्रों का विश्लेषण कर सकता है।
2. छात्र व्याकरण संबंधी अवधारणाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
3. छात्र विभिन्न कथाकारों के बारे में समझ सकते हैं।

इकाई **– 1**

1. हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास, प्रसिद्ध कहानियों एवं कहानिकारों का परिचय।
2. नमक का दरोगा – प्रेमचंद
3. चीफ की दावत – भीष्म साहनी
4. ठेस – फणीश्वरनाथ रेणु
5. प्रायश्चित - भगवती चरण वर्मा
6. इन्स्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई

इकाई **– 2**

1. हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास, प्रसिद्ध उपन्यासों एवं उपन्यासकारों का परिचय।
2. महाभोज - मन्नू भंडारी

इकाई **– 3**

व्याकरण **-**

1. लिंग, वचन, काल, वाच्य, वर्तनी
2. संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण की रूपावलियाँ एवं उनका अभ्यास
3. क्रिया के भेद, सभी कालों में उनका प्रयोग एवं अभ्यास
4. अर्थ के आधार पर – अनेकार्थी, समानार्थी,
5. विलोमार्थी तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, पुनरुक्त शब्द

संदर्भ ग्रंथ **–**

1. महाभोज – मन्नू भंडारी, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद
2. कथा दर्पण - अमन प्रकाशन, राम बाग, कानपुर
3. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु,मिलिंद प्रकाशन,हैदराबाद

Sastri/B.A/ B.Sc Yoga

Second Semester, 2nd Language, Hindi, Paper – 2

मध्ययुगीन एवं आधुनिक काव्य

Credits – 3 (75+25 = 100 MARKS)

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को मध्ययुगीन एवं आधुनिक काव्योंं के बारे में जानकारी देना।
2. आधुनिक कविताओं और कवियों पर सम्यक प्रकाश डालना।

सीखने के प्रतिफल –

1. विद्यार्थी मध्ययुगीन एवं आधुनिक कविता के बीच के अंतर को पहचान सकेंगे।
2. विद्यार्थी कविताओं के माध्यम से नैतिक मूल्यों एवं नैतिकता को जान सकेंगे हैं।

इकाई – 1

1. निर्गुणभक्ति काव्य का स्वरूप, राम भक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति काव्य का स्वरूप।
2. आधुनिक कविता का संक्षिप्त परिचय।

इकाई – 2

1. कबीर के दोहे - साखी - सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी (1 से 10 दोहे)
2. तुलसीदास - बालकाण्ड
3. सूरदास - भ्रमरगीत सार - सं. रामचंद्र शुक्ल (पद संख्या 20 से 30)
4. मीरा बाई – सं. विश्वनाथ त्रिपाठि (प्रारंभ से 10)

इकाई – 3

1. जागो फिर एक बार – निराला
2. परिवर्तन - पंत
3. मेरा नया बचपन – सुभद्रा कुमारी चौहान
4. अकाल और उसके बाद – नागार्जुन
5. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती – हरिवंशराई बच्चन

सहायक पुस्तकें -

1. हिंदी काव्य संग्रह - सं. रामवीरसिंह, वाणी प्रकाशन, काशी
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडे - मिलिंद प्रकाशन हैदराबाद

3. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्य काल - महेंद्र कुमार, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

Sastri/B.A/B.Sc Yoga

Third Semester, 2nd Language – Hindi – Paper – 3

हिन्दी नाटक एवं एकाँकी साहित्य

Credits – 3, (75+25=100)

उद्देश्य

1. हिंदी नाटक एवं एकांकी साहित्य से परिचित कराना।
2. हिंदी नाटक एवं एकांकी के अंतर को स्पष्ट कराना।

सीखने **के** प्रतिफल –

1. विद्यार्थी नाटक एवं एकांकी के अंतर को पहचान सकेंगे।
2. विद्यार्थी नाटक एवं एकांकी में दर्शाए गए विषयों पर अपना विचार व्यक्त कर सकेंगे।

इकाई **–1**

1. हिंदी नाटक का उद्भव एवं विकास, प्रमुख नाटक तथा नाटककारों का परिचय।
2. हिन्दी एकाँकी का उद्भव एवं विकास, प्रमुख एकाँकी तथा एकांकिकारों का परिचय।

इकाई **– 2**

नाटक -

1. अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. बकरी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

इकाई **– 3**

एकाँकी -

1. औरंगजेब की आखिरी रात – डॉ – रामकुमार वर्मा
2. हरी घास पर घंटे भर - सुरेन्द्र वर्मा
3. रीढ की हड्डी – जगदीश चंद्र माथुर
4. लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्रनाथ अश्क
5. संस्कार और भावना -विष्णु प्रभाकर

संदर्भ ग्रन्थ –

1. आठ एकाँकी - सं. देवेन्द्र राग अंकुर, महेश आनंद, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - नागरी प्रचारीणी सभा, काशी

Sastri /B.A/B.Sc Yoga

Semester Fourth Hindi, 2nd Language, Paper -4

हिंदी कथेतर साहित्य (अन्य विधाएँ)

Credits – 3 (75+25 = 100 MARKS)

उद्देश्य

1. हिंदी गद्य साहित्य के अन्य विधाओं से अवगत कराना।
2. कथेतर साहित्य की बारीकिओं पर प्रकाश डालना।

सीखने का प्रतिफल –

1. हिंदी साहित्य के अन्य विधाओं के मध्य को विश्लेषित कर सकेंगे।
2. कथेतर साहित्य के विषय एवं शैलीगत विशेषताओं को विश्लेषित कर सकेंगे।

इकाई – 1

1. हिंदी गद्य साहित्य के अन्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय।
2. जीवनी, आत्मकथा, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज।

इकाई – 2

1. नाखून क्यों बढते हैं - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी
3. भक्तिन – महादेवी वर्मा

इकाई – 3

1. तिब्बत में प्रवेश - राहुल सांकृत्यायन
2. ऋण जल धन जल - फणिश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रं**थ**

1. गद्य विविधा - सं.अनिल सिंह, नैशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

Sastri /B.A /B.Sc Yoga

First Semester, Hindi Literature, paper -1

Credits – 3 (75+25=100)

आदिकाल एवं भक्तिकाल

उद्देश्य

1. हिंदी के इतिहास की पूर्व पीठिका से परिचय कराना।
2. आदिकाल की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. आदिकाल के विविध साहित्य से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

1. आदिकालीन परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।
2. मध्यकाल की प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों का परिचय दे सकेंगे।
3. मध्यकालीन हिंदी काव्यगत विशेषताओं पर विचार व्यक्त कर सकेंगे।

इकाई **– 1**

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।
3. हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण।

इकाई **– 2**

1. आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ।
2. आदिकालीन रासो साहित्य
3. सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य
4. आदिकाल के प्रमुख कवि – चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

इकाई **– 3**

1. भक्तिकाल का उद्भव एवं विकास
2. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
3. भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँ
4. भक्तिकाल के प्रमुख कवि – कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास

सहायक पुस्तकें –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नागेंद्र

Sastri /B.A /B.Sc. Yoga

Second Semester, Hindi Literature, paper -2

Credits – 3 (75+25 = 100)

रीतिकाल एवं भक्तिकाल

उद्देश्य-

1. रीतिकालीन प्रमुख प्रवृत्तियों पर सम्यक प्रकाश डालना।
2. आधुनिक काल की प्रवृत्तियों को परिचित कराना।
3. गद्य की प्रमुख विधाओं के विकास क्रम से अवगत कराना।

सीखने के प्रतिफल -

1. रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं से अवगत होंगे।
2. रीतिकाल के प्रमुख कवि के जीवन परिचय कर सकेंगे।
3. आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियों को प्रतिपादित कर सकेंगे।

इकाई **– 1**

1. रीतिकालीन प्रमुख परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
2. रीतिकाल की प्रमुख काव्य धाराएँ
3. रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, बिहारी, घनानंद, भूषण

इकाई **– 2**

1. आधुनिक काल की प्रमुख परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
2. आधुनिक गद्य का विकास
3. खडीबोली साहित्य का विकास

इकाई **– 3**

1. गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास
    1. नाटक 2. कहानी 3. उपन्यास 4. एकाँकी

सहायक पुस्तकें –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

Sastri /B.A /B.Sc. Yoga

Third Semester, Hindi Literature, paper - 3

Credits – 3 (75+25=100)

भाषाविज्ञान **एवं** हिंदी भाषा का इतिहास

उद्देश्य

1. हिंदी भाषा एवं लिपि के विकास की जानकारी देना।
2. भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखा पर सम्यक प्रकाश डालना।
3. हिंदी ध्वनि संरचना पर प्रकाश डालना।

सीखने के प्रतिफल -

1. भाषा विज्ञान की उपयोगिता से लाभान्वित होंगे।
2. हिंदी क्षेत्र, प्रमुख उपभाषाएँ और प्रमुख बोलियों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. हिंदी के वर्तनी नियमों से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं परिभाषा।
2. भाषा विज्ञान – विज्ञान एवं कला के संबंध।
3. भाषा विज्ञान की शाखाएँ।

इकाई – 2

1. भारतीय भाषा परिवार।
2. भारतीय आर्य भाषाओं का विकास।
3. हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम।

इकाई – 3

1. हिंदी का क्षेत्र, हिंदी की प्रमुख उपभाषाएँ, हिंदी की प्रमुख बोलियाँ।
2. हिंदी की ध्वनि संरचना, हिंदी की रूप संरचना।
3. हिंदी की वाक्य संरचना, हिंदी की लिपि संरचना। (वर्तनी के नियम)

सहायक पुस्तकें

1. भोलानाथ तिवारी – भाषाविज्ञान, किताब महल, इलहाबाद
2. बाबूराम सक्सेना – सामान्यभाषा विज्ञान , हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलहाबाद

Sastri /B.A /B.Sc Yoga

Fourth Semester, Hindi Literature, Paper – 4

भारतीय काव्यशास्त्र

Credits – 3 (75 + 25= 100)

उद्देश्य –

1. भारतीय काव्य शास्त्र पर सम्यक प्रकाश डालना।
2. काव्यशास्त्र के विविध संप्रदायों से अवगत कराना

सीखने **के** प्रतिफल

1. काव्य लक्षणों को परिभाषित कर सकेंगे।
2. रस, छंद, अलंकार, निरूपण से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख संप्रदायों और सिद्धांतो से लाभान्वित होंगे।

इकाई **– 1**

1. काव्य का स्वरूप एवं परिभाषा।
2. काव्य के लक्षण, संस्कृत आचार्यों के काव्य लक्षण, हिंदी आचार्यों के काव्य लक्षण।
3. काव्य प्रयोजन, काव्य के रूप, शब्दशक्ति।

इकाई **- 2**

1. रस सिद्धांत – परिभाषा एवं स्वरूप, रस के प्रकार
2. रीति सिद्धांत - परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के प्रकार
3. अलंकार – परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख भेद।

इकाई **– 3**

1. अलंकार – उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, यमक, श्लेष, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति।
2. छंद – दोहा, चौपाई, सवैया, रोला, छप्पय, बरवै, सोरठा, मंदाक्रांता, कुंडलिया।

सहायक पुस्तकें

1. रस सिद्धांत – डॉ. नागेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्रा

Sastri /B.A /B.Sc Yoga

Fifth Semester, Hindi Literature, paper -1

Interdisciplinary - Open Elective

Credits – 3 (75 + 25 = 100)

आधुनिक हिंदी काव्य

उद्देश्य –

1. आधुनिक साहित्यिक की प्रवृत्तियों पर सम्यक प्रकाश डालना।
2. आधुनिक काव्य की विशेषताओं से अवगत कराना।
3. आधुनिक काल के प्रसिद्ध रचनाकारों से परिचित कराना।

सीखने प्रतिफल -

1. आधुनिक काल के प्रमुख रचनाकारों एवं काव्यों को विश्लेषित कर सकेंगे।
2. काव्यों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – **1**

1. मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती (अतीत खंड)
2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी – (श्रद्धा सर्ग)
3. सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि
4. महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली
5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - कुकुरमुक्ता

इकाई – **2**

1. भवनीप्रसाद मिश्र - गीत फरोश
2. नागार्जुन - मनुष्य हूँ
3. अज्ञेय - यह दीप अकेला
4. माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा
5. रघुवीर सहाय - तोड़ो

इकाई – **3**

1. रामधारीसिंह दिनकर – रश्मिरथी – प्रथम सर्ग
2. केदारनाथ अग्रवाल - बसंती हवा
3. मुक्तिबोध – ब्रह्मराक्षस्
4. गिरिजाकुमार माथुर - छाया मत छूना
5. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - भूख

संदर्भग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – शिवकुमार शर्मा
2. काव्य सरिता – संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय अमन प्रकाशन, रामबाग, कानपुर

Sastri/BA/B.Sc.Yoga

Fifth Semester Hindi Literature, Paper -2

Interdisciplinary - Open Elective

Credits – 3 (75+25=100)

विज्ञापन और हिंदी भाषा

उद्देश्य –

1. विज्ञापन कि स्वरूप एवं परिभाषा से अवगत कराना।
2. विज्ञापन के नए संदर्भ को समझाना।
3. विज्ञापन की भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालना।

सीखने का प्रतिफल

1. विज्ञापन के उद्देश्य को समझेंगे।
2. विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्षों की जानकारी हासि प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई **-1** विज्ञापन – स्वरूप एवं अवधारणा

1. विज्ञापन – अर्थ एवं परिभाषा
2. विज्ञापन का महत्व
3. विज्ञापन के सामाजिक एवं व्यावसायिक उद्देश्य,मार्केटिंग और ब्रांड – निर्माण
4. विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

इकाई **– 2** विज्ञापन – विविध माध्यम

1. सामान्य परिचय
2. विज्ञापन माध्यम का चयन
3. प्रिंट, रेडियो एवं टेलिविजन के लिए कॉपी लेखन

इकाई **- 3** विज्ञान की भाषा

1. विज्ञापन की भाषा का स्वरूप
2. विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
3. विज्ञान की भाषा के विभिन्न पक्ष, सट्टश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, तथा भाषा संकर.
4. हिंदी विज्ञापनों की भाषा

सहायक ग्रंथ

1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम – भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी

3. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Sastri/B.A/B.Sc. Yoga
Sixth Semester, Hindi Literature, paper – 3
Interdisciplinary – Open Elective
Credits – 3 (75 +25 =100)

भारतीय साहित्य

उद्देश्य

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालना।
2. भारतीय साहित्य की प्रक्रिया से अवगत कराना।

सीखने का प्रतिफल

1. भारतीय साहित्य की समाज शास्त्र से अवगत होंगे।
2. भारतीय साहित्य की उपयोगिता एवं चुनोतियों को पहचान सकेंगे।

इकाई **– 1**

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीयता का समाज शास्त्र,

इकाई **– 2**

1. भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
2. स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

इकाई **– 3**

1. महात्मा गांधी एवं महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
2. मार्क्सवाद एवं अस्तितवाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

संदर्भग्रंथ

1. भारतीय साहित्य की भूमिका रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. तुलनात्मक अध्ययन, स्वरूप और समस्याएँ संपादक डॉ. राजूरकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Sastri /B.A/B.Sc. Yoga
Sixth Semester Hindi Literature, Paper – 4
Interdisciplinary – Open Elective
Credits – 3 (75 + 25 = 100)

कार्यालयी हिंदी

उद्देश्य -

1. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप और उद्देश्य को अवगत कराना।
2. कार्यालयी हिंदी क्षेत्र से परिचित कराना।

सीखने का प्रतिफल

1. कार्यालयी हिंदी की शब्दावली से अवगत होंगे।
2. टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण कर सकेंगे।

इकाई **– 1**

1. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र
2. सामान्य हिंदी तथ कार्यालयी हिंदी – संबंध तथा अंतर
3. कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएँ
4. कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
5. पदनाम एवं अनुभाग के नाम
6. मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों केलिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश आदि
7. औपचारिक पदावलियाँ अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

इकाई **- 2** कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

1. सामान्य परिचय
2. कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
3. रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
4. आवेदन – लेखन

इकाई **- 3** टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

1. टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ एवं भाषा शैली
2. प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
3. संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
4. उपर्युक्त सभी इकाईयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय

Sastri /BA/BSC.Yoga
7th Semester, Hindi Literature, Paper – 1
Disciplinary Specific Elective
Credits - 3 (75+ 25 = 100)

अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग

उद्देश्य

1. अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. अनुवाद प्रक्रिया और भूमिका पर सम्यक प्रकाश डालना।

सीखने के प्रतिफल -

1. विद्यार्थी अनुवाद प्रविधि द्वारा रोजगारोन्मुख अभ्यास से प्रेरित होंगे ।

इकाई - 1

1. अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की परिभाषा और प्रकार।
3. अनुवाद के विविध क्षेत्र।

इकाई - 2

1. अनुवाद की प्रक्रिया एवं उसके विविध स्तर।
2. अनुवादक के गुण एवं दायित्व।
3. अनुवाद के उपकरण, पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया
4. अनुवाद की समस्याएँ एवं सीमाएं

इकाई - 3

1. मशीनी अनुवाद - स्वरूप एवं विकास।
2. मशीनी अनुवाद के घटक ।
3. मशीनी अनुवाद का भाषाई और तकनीकी पक्ष।

सहायक ग्रंथ -

1. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भाषा प्रौद्योगिकी और ई-अनुवाद - डॉ वेदप्रकाश बोरकर, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति

Sastri /BA/B.SC Yoga

Seventh Semester, Hindi Literature, Paper – 2

Disciplinary Specific Elective

Credits - 3 (75+ 25 = 100)

सृजनात्मक लेखन एवं लेखन कौशल

उद्देश्य

1. सृजनात्मक लेखन पर सम्यक प्रकाश डालना।
2. सृजनात्मक लेखन से संबंधित विषयों से अवगत कराना।

सीखने के प्रतिफल -

1. सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियमों से अवगत कराना।
2. रचना प्रक्रिया को समाझ सकेंगे।

इकाई - 1

1. सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र, सामान्य नियम एवं महत्व।
2. रचना प्रक्रिया एवं उद्देश्य।
3. लेखक की सामाजिक पृष्टभूमि और दार्शनिक विचार।

इकाई - 2

1. फीचर लेखन : परिचय, अर्थ, स्वरूप, एवं महत्व।
2. संचार माध्यम और विभिन्न विषयों पर फीचर लेखन।
3. रिपोर्ताज अर्थ एवं स्वरूप।
4. रेडियो लेखन, वार्ता लेखन, पटकथा लेखन, कविता लेखन।

इकाई - 3

1. हिन्दी सृजनात्मक लेखन में नवाचार।
2. सृजनात्मक लेखन से संबंधित प्रमुख ब्लॉग : परिचय एवं वैशीशत
3. वर्णनात्मक लेखन, सर्जनात्मक लेखन की भाषा

सहायक ग्रंथ -

1. सृजनात्मक लेखन - आनंद पाटील
2. पटकथा लेखन - रत्न प्रकाश

Sastri /BA/B.ScYoga
Eighth Semester, Hindi Literature, Paper – 3
Disciplinary Specific Elective
Credits - 3 (75+ 25 = 100)
हिंदी भाषा शिक्षण

उद्देश्य

1. हिंदी भाषा शिक्षण की प्रकृति एवं प्रयोजन पर विधिवत प्रकाश डालना।
2. श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन कौशल विकास कराना।

सीखने के प्रतिफल -

1. हिंदी शिक्षण में भाषिक सम्प्रेषणपरक आयामों को उजागर करना।

2. हिंदी शिक्षण में भाषिक संप्रेषणपरक आयामों को समझ सकेंगे।

इकाई **- 1**

1. भाषा शिक्षण - प्रकृति एवं प्रयोजन, भाषा शिक्षण के संदर्भ मातृ भाषा एवं द्वितीय भाषा
2. भाषा शिक्षण के सिद्धांत

इकाई **- 2**

1. भाषा कौशल - श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल।
2. द्वितीय भाषा शिक्षण की विधियाँ - अनुवाद विधि, व्यतिरेकी विधि, प्रत्यक्ष विधि, द्विभाषिक विधि।
3. हिंदी शिक्षण में भाषिक संप्रेषणपरक आयाम।
4. भाषा शिक्षण में दृश्य, श्रव्य उपकरण एवं भाषा प्रयोगशाला।

इकाई**– 3**

1. हिंदी भाषा शिक्षण के लिए शिक्षण सामग्री का निर्माण, भाषा मूल्यांकन और परिक्षण, परिक्षण सामग्री तथा उसका निर्माण।
2. द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण में साहित्य शिक्षण और प्रयोजनमूलक भाषा शिक्षण समस्याएँ एवं समाधान।

संदर्भ ग्रंथ

1. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष, सं. अमर बहादूर सिंह
2. हिंदी शिक्षण, जेनारायण कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. भाषा शिक्षण, रविदरनाथ श्रीवात्सव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा शिक्षण सिद्धान्त और प्रविधि, मनोरम गुप्ता, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा।

Sastri /BA/B.Sc Yoga
Eighth Semester, Hindi Literature, Paper – 3
Disciplinary Specific Elective
Credits - 3 (75+ 25 = 100)

नव सामाजिक विमर्श एवं हिंदी साहित्य

उद्देश्य

1. स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन पर सम्यक् प्रकाश डालना
2. हिंदी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य को उजागर करना।

सीखने के प्रतिफल -

1. आदिवासी चेतना से अवगत होंगे।

इकाई **– 1**

1. स्त्री विमर्श – उदय – स्थापनाएँ, नारिवाद, स्त्रीमुक्ति आंदोलन का इतिहास,

2. स्त्री विमर्श लेखन - अपने चेहरे (प्रभाखेतान)

इकाई **- 2**

1. दलित विमर्श – उदय – स्थापनाएँ, दलितवाद, दलितमुक्ति आंदोलन का इतिहास।
2. दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्यता, दलित साहित्य की शीलपगत प्रवृत्तियाँ।

इकाई **– 3**

1. आदिवासी विमर्श – अवधारणा और स्वरूप, आदिवासी चेतना, मौखिक एवं लिखित साहित्य परंपरा, आदिवासी दर्शन एवं वैचारिकता, आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन।

सहायक ग्रंथ **-**

1. दलित चेतना – साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, रमणीक गुप्ता।
2. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि।
3. चेतना के स्वर, एन सिंह, अभरुची प्रकाशन, दिल्ली
4. आदिवासी अस्मिता का संकट रणिका गुप्ता

NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY
TIRUPATI

Programmes : SASTRI SECOND LANGUAGE HINDI

B.A/ B.Sc/ B.Sc (yoga) SECOND LANGUAGE HINDI

SASTRI / B.A / B.Sc(yoga) HINDI LITERATURE

Pattern of Marks

A - MAIN PAPER	**75 M**
1. Objective type questions 5 out of 5	5X1 = 5
2. Brief note questions- 4 out of 6	4X5 = 20
3. Analytical questions- 3 out of 5	3X10 = 30
4. Essay type questions- 1 out of 2	1X20 = 20
B - INTERNAL ASSESEMENT	**25 M**
	TOTAL 100

Programmes : SASTRI / B.A / B.Sc (yoga) – COMMUNICATIVE HINDI

Pattern of Marks

A - MAIN PAPER	**35 M**
1. Objective type questions- 5 out of 5	5X1 = 5
2. Brief note questions- 2out of 4	2X5 = 10
3. Analytical questions- 2 out of 4	2X10 = 20
B - INTERNAL ASSESEMENT	**15 M**
C – PRACTICLE EXAM	**TOTAL 100 M**